खाटू ना छूटे बाबा | by Namrata Karwa

ओ सांवरे तेरा खाटू ना छूटे रे
परवाह नहीं है चाहे जग सारा रूठे रे
ओ सांवरे .....

मस्ती में हो मस्तानी हो गई मलंग मैं
रंग गई अपने सांवरे के रंग में
प्यार की ये पावन डोरी कभी नाही टूटे रे
ओ सांवरे .....

जितने हैं रिश्ते नाते सारे ही मैं तोड़ दूँ
तुम ही बताओ कैसे खाटू आना छोड़ दूँ
खाटू ना छुड़वाना तू सांसें चाहे छूटे रे
ओ सांवरे .....

ग्यारस तेरी बाबा खाटू मैं जो आऊं
जी करता है फिर लौट के ना जाऊं
रिश्ता बना है जो ये कभी ना ही टूटे रे
ओ सांवरे .....

अब तो यहीं पे जीना और है मरना
चरणों से तेरे बाबा दूर नहीं करना
इतना ही चाहे योगी तू ना कभी रूठे रे
ओ सांवरे .....

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%96%e0%a4%be%e0%a4%9f%e0%a5%82-%e0%a4%a8%e0%a4%be-%e0%a4%9b%e0%a5%82%e0%a4%9f%e0%a5%87-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-by-namrata-karwa/